आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 18.02.2025 समय : 1905

<><><><><><><><>

- सरकार ने सरकारी वेबसाइटों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एकरूपता लाने के लिए डिजिटल ब्रांड पहचान नियमावली जारी की।
- परीक्षा पे चर्चा के आठवें एपिसोड में विभिन्न परीक्षाओं में अव्वल रहे छात्रों ने अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं।
- मायाबंदर में वन स्टेशन का उद्घाटन– प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने द्वीपों की जैव विविधता की सुरक्षा में वन स्टेशनों की भूमिका पर जोर दिया।
- भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आगामी चैम्पियंस ट्रॉफी दो हजार पच्चीस के लिए भारतीय पुरुष टीम की जर्सी का अनावरण किया।

<><><><><><><><>

सरकार ने सरकारी वेबसाइटों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एकरूपता लाने के लिए डिजिटल ब्रांड पहचान नियमावली जारी की है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने नई दिल्ली में यह नियमावली लॉन्च की। इस अवसर पर, उन्होंने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक आईटी महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह महत्वाकांक्षी पहल देश के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगी और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देगी। डिजिटल ब्रांड पहचान नियमावली एक व्यापक मार्गदर्शिका है, जो अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सामंजस्यपूर्ण दृश्य पहचान स्थापित करने में सरकार की अनूठी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार की गई है।

<><><><><><><><>

परीक्षा पे चर्चा के आठवें एपिसोड में आज संघ लोक सेवा आयोग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान–संयुक्त पात्रता परीक्षा, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाण पत्र परीक्षा के मेधावी छात्रों ने अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं। बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्रों ने कहा कि विद्यार्थी अपने मस्तिष्क में सभी प्रकार की जानकारियों को नहीं संग्रहित कर सकते हैं। ऐसे में उन्हें ऐसे विषयों पर ध्यान देना चाहिए, जो परीक्षा में अक्सर पूछे जाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र हल करने का भी सुझाव दिया। सीबीएसई की वर्ष दो हजार बाईस–तेईस की बोर्ड परीक्षा में अव्वल रही राधिका सिंघल ने कहा कि पढ़ाई के अलावा अन्य गतिविधियां भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इससे आत्मविश्वास बढ़ता है।

<><><><><><><><>

मत्स्य विभाग के संज्ञान में ऐसे मामले आए हैं कि दक्षिण अंडमान जिले में कुछ मछुआरे, मछली पालक और आम जनता आस–पास के नालों और तालाबों में मछली पकड़ने के लिए हानिकारक रसायनों का उपयोग कर रहे हैं। इससे न केवल पर्यावरण प्रदूषित होता है, बल्कि खाद्य श्रृंखला के लिए भी एक बड़ा खतरा पैदा होता है। अंडमान निकोबार द्वीपसमूह समुद्री मछली पकड़ने के नियमों के तहत, इस तरह की गतिविधियां एक गंभीर अपराध हैं। मत्स्य विभाग, इन नियमों के अनुसार, सभी मछुआरों और मछली पालकों को मछली पकड़ने के लिए हानिकारक रसायनों का उपयोग न करने की सलाह देता है। इन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने लोगों से पर्यावरण की रक्षा और स्थानीय समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

<><><><><><><><>

मत्स्य निदेशालय ने 'समुद्री कृषि नीति, दो हजार पच्चीस के माध्यम से ब्लू इकोनॉमी की संभावनाओं का दोहन' नामक नीति तैयार करने का प्रस्ताव रखा है। इसके अनुसार इस नीति से प्रभावित होने वाले हितधारकों और व्यक्तियों से आपत्ति और सुझाव आमंत्रित किए जाते हैं। मसौदा नीति अंडमान निकोबार प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। आपत्तियां और सुझाव प्रकाशन की तिथि से तीस दिनों के भीतर मत्स्य निदेशालय को लिखित रूप में या ईमेल के माध्यम से भेज सकते हैं।

<><><><><><><><>

मध्योत्तर अंडमान के मायाबंदर में प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय कुमार सिन्हा ने वन स्टेशन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने इन द्वीपों की जैव विविधता की निगरानी और सुरक्षा में वन स्टेशनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। इस नए वन स्टेशन से वन संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करने में मदद मिलेगी। मायाबंदर के संभागीय वन अधिकारी थॉमस वर्गीस, ने कहा कि इस क्षेत्र में वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के पंचायती राज संस्थान के सदस्यों के अलावा पुलिस, स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा और अन्य स्थानीय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

<><><><><><><><>

चाथम आरा मिल में लकड़ी की आपूर्ति से संबंधित मांगपत्रों के निपटान के लिए विशेष अभियान चलाया गया। मिल डिवीजन के उप वन संरक्षक की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें लंबित मांगपत्रों का मूल्यांकन किया गया। इससे द्वीपवासियों, सरकारी ठेकेदारों, सरकारी विभागों को लकड़ी की आपूर्ति को सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी, जिससे द्वीपसमूह में विकास कार्यों में गति आएगी। बैठक में अट्ठाईस फरवरी तक मांगपत्रों का निपटान करने का निर्णय लिया गया।

<><><><><><><><>

श्री विजयपुरम में निमोनिया पर सामाजिक जागरूकता और कार्रवाई–सांस कार्यक्रम पर चिकित्सा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य निमोनिया से बचाव, रोकथाम और प्रबंधन के लिए समुदाय में जागरूकता पैदा करना है। आयुष अस्पताल और जी बी पंत अस्पताल में आयोजित प्रशिक्षण का उद्देश्य चिकित्सा अधिकारियों की क्षमता को मजबूत करना है, ताकि बचपन में ही निमोनिया का पता लगाया जा सके, उसका निदान किया जा सके और उसका प्रभावी ढंग से इलाज किया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के प्रभारी डॉ. एच.एम. सिद्धराजू, ने इस बात पर जोर दिया कि निमोनिया बचपन में होने वाली मृत्यु का एक प्रमुख कारण है। सांस जैसी पहल रोग और मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

<><><><><><><><>

प्रशासन के अंतर्गत विभिन्न विभागों में कार्यरत अमल–गमेटेड क्लेरिकल कैडर के कर्मचारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद के कर्मचारियों सहित एच जी सी और एल जी सी के लिए 'कार्यालय प्रक्रिया, नोटिंग, ड्राफ्टिंग, रिकॉर्ड प्रबंधन और आर टी आई' पर ऑफलाइन मोड पेरिपेटेटिक प्रशिक्षण कार्यक्रम कल टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के सम्मेलन हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सहायक सचिव शैलजा ने किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग उन्यासी प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। यह प्रशिक्षण इक्कीस फरवरी तक चलेगा।

<><><><><><><><>

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आगामी चैम्पियंस ट्रॉफी दो हजार पच्चीस के लिए भारतीय पुरुष टीम की जर्सी का अनावरण किया है। सोशल मीडिया पोस्ट में बीसीसीआई ने भारतीय खिलाड़ियों की जर्सी दिखाते हुए तस्वीरें साझा की हैं। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम अपनी सिग्नेचर ब्लू जर्सी में नज़र आएगी, जिसके दोनों कंधों पर तिरंगा और दाईं ओर चैम्पियंस ट्रॉफी का लोगो होगा। भारतीय टीम–मेन इन ब्लू गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ़ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

<><><><><><><><>

कार निकोबार में चल रहा छब्बीसवां उप–राष्ट्रपति कप फुटबॉल चैम्पियनशिप का कल समापन हो गया। इस चैम्पियनशिप में अंडमान निकोबार कमान की टीम विजेता रही, जिसे विजेता ट्रॉफी के साथ पचास हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। उप–विजेता श्री विजयपुरम को ट्रॉफी के साथ पैंतीस हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। दूसरे रनर–अप, ननकौड़ी टीम को ट्रॉफी और पच्चीस हजार रूपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

<><><><><><><><>

आपदा प्रबंधन निदेशालय के राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र में एक राज्य सलाहकार को अनुबंध के आधार भर्ती किया जाएगा। चयनित उम्मीदवार को प्रतिमाह साठ हजार रूपये की एकमुश्त राशि दी जाएगी। उम्मीदवार के पास भूकंप विज्ञान, भूगोल या आपदा प्रबंधन में पी एच डी होना अनिवार्य है और भूकंप विज्ञान या आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कम से कम दो वर्ष का अनुभव होना चाहिए। आवेदन फार्म और अन्य जानकारी प्रशासन की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पांच मार्च तक विभाग के मेल पर भेज सकते हैं।

<><><><><><><><>